भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2113 जिसका उत्तर
शुक्रवार, 31 जुलाई, 2026/9 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाना है

कोच्चि हार्बर विकास परियोजना में रुकावट

†2113. श्री हैबी ईडन:

क्या पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) कोच्चि हार्बर विकास परियोजना के लिए आवंटित धन का उपयोग न किए जाने के पीछे के विशिष्ट कारण तथा स्वीकृत धन का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने और परियोजना के कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए उठाए जा रहे उपाय क्या हैं;

(ख) क्या पोर्ट ट्रस्ट के अधिकारियों को कोच्चि हार्बर विकास परियोजना को निष्पादित करने में किन्हीं अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना करना पड़ा है और यदि हाँ, तो स्थापित विनियामक रूप-रेखा के भीतर इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार निर्धारित धन के उपयोग में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए कोच्चि हार्बर विकास परियोजना के लिए आवंटित धन की व्यापक समीक्षा या लेखापरीक्षा पर विचार कर रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) से (ख): कोचीन पत्तन प्राधिकरण (सीओपीए) 'कोचीन मत्स्यन हार्बर का आधुनिकीकरण और उन्नयन' परियोजना के लिए कार्यान्वयन एजेंसी है। भारत सरकार ने इस परियोजना के लिए ₹100 करोड़ यथा: पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय की सागरमाला योजना और मत्स्यपालन विभाग की प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, प्रत्येक के तहत ₹50 करोड़ की निधि स्वीकृत की गई है। सीओपीए ने सूचित किया कि चूंकि परियोजना स्थल एक चालू मत्स्यन हार्बर के भीतर अवस्थित है, इसलिए संविदाकार को स्थल सौंपने में शुरुआती विलंब हुआ था। पत्तन के दैनिक कामकाज में किसी भी तरह की बाधा से बचने के लिए कार्य को दो चरणों में विभाजित करके इस मामले का समाधान किया गया था। भारत सरकार द्वारा जारी कुल ₹97.5 करोड़ की निधि में से सीओपीए पहले ही ₹83.80 करोड़ का उपयोग कर चुका है। परियोजना की वर्तमान वास्तविक प्रगति 71.50% है।

(ग): निधि के उपयोग में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सागरमाला योजना के तहत वित्त पोषित परियोजनाओं की नियमित अंतराल पर समीक्षा की जाती है और परियोजना के समाप्त होने से पूर्व तृतीय पक्ष द्वारा लेखापरीक्षा कराई जाती है।

*****